वीयू –वेटनरी कालेज, जबलपुर का
79वें स्थापना दिवस एवं जेवीसी एलुमनाई मिलन समारोह का गरिमामय आयोजन

जबलपुर, 8 जुलाई 2026। नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर के घटक पशु चिकित्सा विज्ञान एवं पशुपालन महाविद्यालय, जबलपुर में कल महाविद्यालय का 79वाँ स्थापना दिवस एवं जेवीसी एलुमनाई मिलन समारोह अत्यंत गरिमामय वातावरण में महाविद्यालय सभागार में आयोजित किया गया। समारोह में महाविद्यालय की गौरवशाली 79 वर्षीय शैक्षणिक, अनुसंधान एवं विस्तार सेवाओं की यात्रा का स्मरण करते हुए पूर्व विद्यार्थियों, प्राध्यापकों एवं वर्तमान विद्यार्थियों के मध्य संवाद, अनुभव साझा करने तथा सहयोग को प्रोत्साहित किया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री एवं विधायक, पाटन डॉ. अजय विश्नोई रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक, कैंट श्री अशोक रोहाणी एवं विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलपति डॉ. गोविंद प्रसाद मिश्रा उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. (डॉ.) मनदीप शर्मा ने की। कार्यक्रम का आयोजन एवं समन्वय महाविद्यालय की अधिष्ठाता (डीन) डॉ. राखी वैश्य के नेतृत्व में किया गयास

मुख्य अतिथि डॉ. अजय विश्नोई ने पूर्व विद्यार्थियों की उपलब्धियों की प्रशंसा करते हुए उन्हें समाज एवं पशुपालन क्षेत्र के विकास में निरंतर योगदान देने का आह्वान किया।

अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में कुलपति प्रो. (डॉ.) मनदीप शर्मा ने सभी को शुभकामनाएं देते हुए, महाविद्यालय की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्थान उत्कृष्ट पशु चिकित्सकों एवं वैज्ञानिकों के निर्माण में निरंतर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। अपने उद्‌बोधन में उन्होंने शिक्षक से गुरु की यात्रा को एक अनुसंधान यात्रा बताया साथ ही कहा की महाविद्यालय विश्वविद्यालय को शीर्ष तक पहुंचने में निरंतरता बनाए रखने की सोच बहुत जरूरी है उन्होंने नानाजी के जीवन से सीखने तथा उनके आदर्शों पर निरंतर चलने हेतु छात्र छात्राओं को प्रेरित किया जिससे माननीय प्रधानमंत्री जी की विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में योगदान दिया जा सके।

विशिष्ट अतिथि श्री अशोक रोहाणी जी द्वारा सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दृढ़ इच्छा शक्ति से हर कार्य संभव हो सकता है।

मंच में विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित संस्थापक कुलपति डॉ. जी. पी. मिश्रा जी ने महाविद्यालय की उपलब्धियां को भूतपूर्व शिक्षक की मेहनत का नतीजा बताते हुए संबोधित किया। जेबीसी के अध्यक्ष डॉ ओपी श्रीवास्तव जी ने संगठन की जानकारी साझा की। अधिष्ठाता राखी वैश्य के द्वारा महाविद्यालय के गत वर्ष का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया।

समारोह के दौरान शैक्षणिक उत्कृष्टता एवं विशिष्ट उपलब्धियों के लिए विद्यार्थियों को विभिन्न स्वर्ण पदकों (Gold Medals) प्रदान किए गए। बी.वी.एस.सी. एंड ए.एच. (2020–25 बैच) की छात्रा कु. इशिता बैस ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 14 स्वर्ण पदक अर्जित किए। इनमें कॉलेज टॉपर, वेटरिनरी पैथोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, फिजियोलॉजी, मेडिसिन, सर्जरी एवं रेडियोलॉजी, फार्माकोलॉजी, पैरासाइटोलॉजी, वेटरिनरी एक्सटेंशन, एनिमल जेनेटिक्स एंड ब्रीडिंग, लाइवस्टॉक प्रोडक्शन एंड मैनेजमेंट सहित विभिन्न विषयों के प्रतिष्ठित स्वर्ण पदक शामिल हैं।

इसके अतिरिक्त कु. जान्हवी परिहार को वेटरिनरी एनाटॉमी एवं एनिमल न्यूट्रिशन विषयों में स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। आचला सिंह को आईसीएआर–जेआरएफ (एनिमल साइंस) महिला वर्ग में उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए सम्मानित किया गया, जबकि यादराम चौधरी को एनिमल न्यूट्रिशन (पुरुष वर्ग) में स्वर्ण पदक प्राप्त हुआ।

अन्य सम्मानित विद्यार्थियों में श्रुति पाठक (प्रथम वर्ष टॉपर), शिवम तिवारी (बी.वी.एससी. एंड ए.एच. पुरुष टॉपर), श्रेया पाण्डेय (बेस्ट ऑल राउंडर), तथा प्रमोद कुमार अहिरवार (पोल्ट्री साइंस/आईसीएआर–जेआरएफ एवं पीजी प्रवेश उपलब्धि) शामिल रहे।

एम.वी.एससी. वर्ग में वंदना गुप्ता को वेटरिनरी मेडिसिन एवं कॉलेज टॉपर के लिए दो स्वर्ण पदक प्रदान किए गए, जबकि मृणालिनी गजानन वैराले को एआरजीओ विषय में भरत लाल मेमोरियल गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया। समारोह में महाविद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों ने अपने छात्र जीवन की स्मृतियाँ साझा करते हुए संस्थान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की तथा विद्यार्थियों के मार्गदर्शन एवं संस्थान के विकास में हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. ओ.पी. श्रीवास्तव (अध्यक्ष), डॉ. ज्योति तिवारी एवं डॉ. अजय रामटेके (उपाध्यक्ष), डॉ वंदना गुप्ता (सचिव) जेवीसी एलुमनाई एसोसिएशन, जबलपुर सहित समस्त आयोजन समिति, प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. राखी वैश्य ने सभी अतिथियों, पूर्व विद्यार्थियों एवं प्रतिभागियों का धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि स्थापना दिवस एवं एलुमनाई मिलन जैसे आयोजन महाविद्यालय की समृद्ध परंपरा को आगे बढ़ाने, पूर्व विद्यार्थियों से संबंधों को सुदृढ़ बनाने तथा वर्तमान विद्यार्थियों को उत्कृष्टता की ओर प्रेरित करने का सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने सभी सम्मानित विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. आदित्य मिश्रा, डॉ. रूचि सिंह तथा गठित समिति के अध्यक्ष एवं सदस्यों की विशेष भूमिका रही। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. पूनम शाक्य तथा आभार ज्ञापन डॉ. निधि राजपूत द्वारा दिया गया।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर